अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

छत्तीसगढ़ ने बनाया विश्व कीर्तिमान

रायपुर। मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक साथ अनेक स्थानों पर सबसे अधिक लोगों द्वारा योग प्रदर्शन के लिए विश्व कीर्तिमान बनाने पर छत्तीसगढ़वासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को छत्तीसगढ़ में 55 लाख 85 हजार 458 लोगों ने एक साथ योग किया, जिनमें स्कूल और महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं, युवा और आम नागरिक शामिल हैं।

इन लोगों द्वारा 29 हजार 217 स्थानों पर एक साथ योग प्रदर्शन किया गया था। यह आयोजन राज्य सरकार के समाज कल्याण विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग और छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा किया गया। समाज कल्याण मंत्री रमशीला साहू ने आज मुख्यमंत्री डॉ. सिंह से उनके निवास पर मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्डस द्वारा

छत्तीसगढ़ के समाज कल्याण विभाग को विश्व कीर्तिमान बनाने पर अंतिम प्रमाण पत्र प्रदान किया है।उन्होंने समाज कल्याण विभाग को प्राप्त प्रमाण पत्र मुख्यमंत्री को दिखाया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, समाज कल्याण विभाग के सचिव सोनमणि बोरा, समाज कल्याण विभाग के संचालक संजय अलंग और गोल्ड बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड के एशिया क्षेत्र के प्रमुख डॉ. मनीष बिश्नोई भी उपस्थित थे। ज्ञातव्य है कि गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्डस ने 21 जून को छत्तीसगढ़ में विश्व कीर्तिमान बनाने का अस्थायी प्रमाण पत्र प्रदान किया था। आज विश्व कीर्तिमान के लिए अंतिम रूप से प्रमाण पत्र प्रदान किया। समाज कल्याण विभाग के सचिव सोनमणि बोरा ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री को बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग करने वालों में सबसे ज्यादा भागीदारी युवाओं की रही, इस दिन 34 लाख 88 हजार 738 युवाओं ने,17 लाख 35 हजार आम नागरिकों और साढ़े तीन लाख अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक साथ अलग-अलग स्थानों पर योग किया। उन्होंने यह भी बताया कि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के प्रत्येक संभाग के दो-दो जिलों को आगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुरस्कृत किया जाएगा। सोनमणि बोरा ने यह भी बताया कि प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पांच जिलों में प्रथम स्थान पर जांजगीर-चांपा जिला रहा। द्वितीय स्थान पर रायगढ़ और तृतीय स्थान पर रायपुर जिला रहा।

प्रोफेसर के खिलाफ एबीवीपी का 'बनियान' प्रदर्शन

रायपुर। छेड़खानी के आरोप में फंसे प्रोफेसर बीपी कश्यप के खिलाफ छात्र संगठनों का प्रदर्शन आज भी जारी रहा। डिग्री कालेज से छत्तीसगढ़ कांलेज ट्रांसफर के बाद अब एनएसयूआई और एबीवीपी ने आज छत्तीसगढ़ कालेज के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। इससे पहले कल भी कालेज के मेन गेट पर छात्र संगठनों ने प्रदर्शन किया था। हालांकि बाद में आश्वासन के बाद वो सभी वापस लौट आये थे लेकिन आज फिर से एनएसयूआई और एबीवीपी के छात्र संगठनो ने मिलकर छत्तीसगढ़ कांलेज के मेन गेट के बाहर अर्धनग्न प्रदर्शन किया।

प्रोफेसर को अब भी नहीं आयी शर्म, तो और भी करेंगे शर्मनाक प्रदर्शन

छात्र संगठन ने शर्ट उतारकर मटके को बीपी कश्यप लिखकर उस पर कालिख पोती। आपको बता दे की बीपी कश्यप को डिग्री गर्ल्स कॉलेज में छात्राओं के साथ अश्लील और छेड़छाड़ के आरोप के बाद छत्तीसगढ़ कालेज तबादला कर दिया गया था। इधर एबीवीपी के छात्र जिला संयोजक राजेश परिकर ने कहा कि अगर बीपी कश्यप को छत्तीसगढ़ कॉलज से नहीं हटाया गया तो वो और भी शर्मनाक तरीके से प्रदर्शन कर उन्हें लज्जित करने वाला प्रदर्शन करेंगे। एबीवीपी के मुताबिक बीपी कश्यप ने हमारी बहनों के साथ छेड़छाड़ कर पूरी नीचता की हद पर कर दी है छात्र संगठन उसका जरूर जवाब देगा।

तीन महीने बच्चे का फुला पेट तो बाप ने पेट में कर दिए छेद

सुकमा। जानकारी का अभाव कहे या फिर अंधविश्वास लेकिन यह सच है कि एक बाप ने अपने तीन महीने के बच्चे के साथ वो किया जो कभी सोच नही सकते। किसी बीमारी से बच्चे का पेट भुला तो बाप ने बच्चे के पेट मे बहुत सारे छेद कर दिये। जब हालात गंभीर हुई तो मलकानगिरी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के मुताबिक सुकमा जिले के पोंगाभेज्जी गाँव जो घोर नक्सल प्रभावित है। वहां का निवासी कोसा पदामी ने कल मलकानगिरी जिला अस्पताल में अपने तीन महीने के बच्चे को भर्ती कराया। बताया कि कुछ दिनों से उसके तीन महीने का बच्चा राजेश पदामी का पेट फुल रहा था। जानकारी का अभाव या फिर अंधविश्वास के चलते कोसा ने अपने बेटे राजेश के पेट मे छेद कर दिए। वो भी एक दो नही काफी छेद किए। जिसके कारण बच्चे की हालत गंभीर हो गई। उसके बाद उस बच्चे को सीमावर्ती राज्य ओड़ीसा के मलकानगिरी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

आदेश बदला : अब सिर्फ 2997 शिक्षाकर्मियों की होगी बहाली

रायपुर। अब सिर्फ 2997 पदों पर ही शिक्षकर्मियों की बहाली की जायेगी। राज्य सरकार ने नियुक्ति का संशोधित विज्ञापन जारी करने जा रही है। जिसके तहत 50 फीसदी पद पदोन्नति के लिए सुरक्षित रखे गये हैं। आपको बता दें कि व्यावसायिक परीक्षा मंडल के जरिये कुल 5836 पदों पर शिक्षक व्याख्याता पद पर बहाली होनी थी लेकिन लेकिन अब सिर्फ 2997 पदों पर ही नियुक्ति की जायेगी बाकी के पद पदोन्नति से भरे जायेंगे। विज्ञापन जारी होने के बाद से ही शिक्षकर्मी इस बात का विरोध कर रहे थे। नयी नियुक्ति होने के बाद उनकी पदोन्नति का रास्ता रूक जायेगा। लिहाजा सरकार ने शिक्षाकर्मियों की मांगों को जायज मानते हुए। अब पचास फीसदी पद को सुरक्षित पदोन्नति के लिए सुरक्षित रखने का ऐलान कर दिया है। आपको बता दें कि इसी महीने 13 जुलाई को पंचायत विभाग की तरफ से व्यापम को पत्र

बाकी के 50 फीसदी पद प्रमोशन के लिए रिजर्व

भेजकर चयन परीक्षा की तैयारी का निर्देश जारी कर दिया गया था। शिक्षक व्याख्याता पद के लिए होने वाली बहाली में अलग-अलग विषयों के लिए अलग-अलग शिक्षकों की बहाली की जायेगी। स्कूल शिक्षा विभाग की तरफ से 12 जुलाई को व्याख्याता पंचायत के विभिन्न विषयों के लिए 3908 और 1928 पदों को रिक्त बताया गया था।

धर्मजीत बोले, सात जन्म में कांग्रेस नहीं लौटूंगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस के नेता एवं पूर्व विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा है कि कांग्रेस में लौटने का अब कोई सवाल ही पैदा नहीं होता। सात जन्म में भी कांग्रेस में नहीं जाउंगा। उन्होंने कहा कि वे शुभ-लाभ देखकर राजनीति नहीं करता। एक सवाल के जवाब में पूर्व विधायक ने कहा कि पुनियाजी आएं या कोई और हरिप्रसाद छत्तीसगढ़ में इतना बड़ा गड्ढा कर गए हैं कि वह अब किसी से पट नहीं सकता।

अनुसूचित जनजाति आयोग ने पी दयानंद के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की

रायपुर/नई दिल्ली। अनुसूचित जनजाति आयोग ने संतकुमार नेताम की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए बिलासपुर कलेक्टर पी दयानंद को नोटिस जारी किया है। आयोग ने भारत सरकार के कार्मिक विभाग में पी दयानंद के खिलाफ कार्रवाई करने की अनुशंसा की है। दरअसल, अजीत जोगी के खिलाफ जाति की लड़ाई करने वाले संतकुमार नेताम ने पीएम मोदी, सुप्रीम कोर्ट और अनुसूचित जनजाति में कलेक्टर के खिलाफ शिकायत की थी। जिसमें आरोप लगाया गया था कि पी दयानंद जोगी मामले में उन्हें बचने का मौका दे रहे हैं और नियमानुसार कार्यवाही नहीं कर रहे हैं।

इरकॉन बनाएगा रावघाट में 140 किमी रेल लाइन, हुआ करार

रायपुर। बस्तर रेलवे प्राइवेट लिमिटेड (बीआरपीएल) तथा इरकॉन के मध्य परियोजना निष्पादन करार (पीईए) पर हस्ताक्षर मुख्यमंत्री, डॉ. रमन सिंह की उपस्थिति में किए गए। इरकॉन जगदलपुर से राउघाट के बीच 140 कि.मी. लंबी रेलवे लाइन का निर्माण करेगा, जिसमें 13 नए रेल्वे स्टेशन बनेंगे। इस रेल कॉरिडोर की अनुमानित लागत लगभग रूपए 2538 करोड़ है। बीआरपीएल एक संयुक्ते उद्यम कंपनी है, जो एनएमडीसी लिमिटेड, सेल, इरकॉन तथा सीएमडीसी लिमिटेड के द्वारा बनाई गई है, जिसमें एनएमडीसी 43 प्रतिशत इक्विटी के साथ प्रमुख शेयर होल्डर है।

डॉ. टी.आर.के. राव, अध्यक्ष, बस्तर रेलवे प्राइवेट लिमिटेड एवं निदेशक (वाणिज्य), एनएमडीसी लिमिटेड; एम.एल. गुप्ता, अधिशासी निदेशक, इरकॉन ने पीईए पर हस्ताक्षर किए। यह सूचित किया गया कि उपर्युक्त परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण का प्रथम चरण प्रारंभ हो गया है। बस्तर तथा कोंडागांव के अधीन आने वाली प्रस्तावित 101 कि.मी. भूमि के विवरण राजपत्र में प्रकाशन हेतु रेल मंत्रालय को भेजे जा चुके हैं। मुख्यभमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को सलाह दी कि भूमि अधिग्रहण तथा वन भूमि के डायवर्सन की प्रक्रिया तीन माह में पूरी कर ली जाए तथा जनवरी, 2018 तक निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बस्तर रेलवे प्राइवेट लिमिटेड के लोगो का विमोचन किया।

मंत्री अजय चंद्राकर की पहल ने बदल दी अंकुश की दुनिया

रायपुर। मंत्री अजय चंद्राकर की एक पहल ने मासूम की पूरी दुनिया ही बदल दी। पल-पल मौत की तरफ बढ़ रहे एक बच्चे को मंत्री ने नयी जिंदगी दी अब वो बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ्य है।

6 साल का मासूम था बॉडी ट्यूमर से परेशान

दूसरे बच्चों की तरह स्कूल जाता है, खेलता है और पढ़ता है। लेकिन कुछ दिन पहले अंकुश नाम के इस मासूम की दुनिया विरान हो गयी थी। राजनांदगांव के खैरागढ़ स्थित डोकराभाटा गांव में अंकुश टंडन नाम के एक बच्चे का कमर के बड़ा सा शरीर के बाहर ट्यूमर निकल आया था। ट्यूमर इतना बड़ा था कि ना तो अंकुश सो पाता, ना चल पाता और ना ही बैठ पाता। डाक्टरों से इलाज करवाया तो पता चला कि इलाज में भारी खर्च आयेगा। अंकुश के पिता साहब दास ने बहुत कोशिश की लेकिन पैसे का इंतजाम नहीं हो पाया। गांव के लोगों ने मंत्री अजय चंद्राकर के पास जाने की सलाह दी। बच्चे को देख मंत्री अजय चंद्राकर ने तत्काल अधिकारियों को बच्चे का इलाज करवाने का निर्देश दिया। मंत्री के निर्देश के बाद सरकार ने अपने खर्च पर अंकुश का इलाज कराया और अब अंकुश पूरी तरह ठीक है।

पदोन्नति की मांग को लेकर सीएसईबी कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

रायपुर। 14 से वेज रिवीजज, पदोन्नति, टीए 2, मोबाइल की सुविधा, रिक्त पदों में भर्ती, चतुर्थ उच्च वेतन सहित अन्य मांगों को लेकर आज सीएसईबी के कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। कर्मचारी सीएसईबी के मुख्य कार्यालय डंगनिया में बैठकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती वे काम बंद कर हड़ताल करते रहेंगे।

ये हैं प्रमुख मांगे

14 से वेज रिवीजज, पदोन्नति, टीए 2, मोबाइल की सुविधा, रिक्त पदों में भर्ती , चतुर्थ उच्च प्रमुख मांगे हैं। इसके अलावा उन्हें न कैशलेस चिकित्सा दी जा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि इन सभी मांगों को लेकर आला अफसरों को कई बार आवेदन देने के बाद भी मांगों पर सुनवाई नहीं हुआ है। ऐसे में मजबूरन उन्हें प्रदर्शन करना पड़ा।

सामाजिक बहिष्कार प्रतिषेध अधिनियम के विरोध में धरना

जनधारा समाचार

धमतरी। सामाजिक बहिष्कार प्रतिषेध अधिनियम 2016 के विरोध में राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण मंच धमतरी ने गांधी चौक में धरना देकर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। शुक्रवार को गांधी चौक मैदान में आयोजित धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सामाजिक बहिष्कार अधिनियम के लिए बनाये गए मंच के प्रदेश संयोजक एवं पूर्व कलेक्टर नवलसिंह मंडावी ने कहा कि समाज के लोगों के बीच आपसी सौहार्द बना हुआ है जिसमें सरकार जहर घोलने के लिए यह विधेयक ला रही है।

पिछड़ा वर्ग ने सौंपा ज्ञापन

सभी समाज को एकजुट होकर विरोध करने की जरूरत है। सरकार को डर सता रही है कि कहीं उनका अस्तित्व खतरे में न पड़ जाये। इसलिए फूट डालने की कोशिश में है। साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष विपिन साहू ने कहा कि राजधानी में बैठे एक अधिकारी ने इस विधेयक को पारित किया है। देवांगन समाज के जिलाध्यक्ष विजय देवांगन ने कहा कि ऐसा विधेयक समाज विरोधी परिलक्षित होता है। जिसका पुरजोर विरोध जारी रहेगा। राज्य पिछड़ा वर्ग मंच के जिलाध्यक्ष नारायण कौशिक ने कहा कि सभी समाज में अपने नियम कानून तैयार हैं। किसी भी प्रकार की गड़बड़ियों पर नजर रखने के लिए कदम उठाया जाता है जिस पर सरकार कानून थोप रही है। सभी समाज को एकजुट होकर विरोध करने की जरूरत है।

साहू समाज के जिलाध्यक्ष दयाराम साहू ने कहा कि सरकार में बैठे लोग ऐसे अधिनियम लाकर लोगों और परिवार में फूट डाल रहे हैं। धोबी समाज की प्रमुख चित्ररेखा निर्मलकर और शिवनारायण छाटा ने कहा कि समाज ऐसे विधेयक का विरोध करता है। सेन समाज के अध्यक्ष मोहित सेन ने कहा कि इह विधेयक को पारित कर समाज के बीच जो अवधाराणाएं बनी हुई है, उस पर प्रहार किये जाने की कोशिश है।

पॉश इलाके में चोर गिरोह का मास्टर माइंड गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी के पॉश इलाके में लंबे समय से सक्रिय चोर गिरोह के मास्टर माइंड को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मुखबीर की सूचना के बाद दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तीन आरोपी के पास से 3 बाइक बरामद किया है। पुलिस मामला दर्ज कर कार्रवाई कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार राजधानी पुलिस ने मनप्रीत सिंह उर्फ राजा, गुरुशरण सिंह उर्फ गुलशन और जितेंद्र उर्फ लल्ला को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है, तीनों आरोपी लंबे समय से रायपुर सहित अन्य जिलों में बाइक चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। वहीं, इनका खास मकसद पॉश इलाके से बाइक पार करना। राजधानी में तीनों के खिलाफ कई मामले दर्ज है। पुलिस को तीनों के खिलाफ मुखबीर से सूचना मिलने के बाद इलाके में दबिश देकर दबोच लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी तेलीबांधा, पंडरी, देवेन्द्र नगर सहित अन्य पॉश इलाके से बाइक चोरी की है।

भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति पर पैर के निशान

सोशल मीडिया पर खबर फैलते ही तहलका

जनधारा समाचार

भिलाई। कुछ सालों पहले जिस तरह भगवान गणेश और नंदी की प्रतिमाओं ने दूध पीकर पूरे देश को आश्चर्य में डाल दिया था उसी तरह भगवान श्रीकृष्ण की लड्डू गोपाल वाली मूर्ति पर पैर के निशान ने भी सोशल मीडिया में तहलका मचा दिया। भगवान के पैर उभरने दिखने की आश्चर्यजनक घटना गुरुवार को इस्पात नगरी में सामने आई है। शाम से ही सोशल मीडिया पर इस तरह के मैसेजफोटो और वीडियो भी आने लगे थे।

इस्पात नगरी के बहुत से भक्तों ने दावा किया कि उनके घरों में रखी भगवान लड्डू गोपाल की प्रतिमा पर पैर के निशान दिखने लगे। यह खबर पूरे शहर में आग की तरह फैल गई। लोग अपने-अपने घरों की प्रतिमाओं को देखने लगे। बहुत से लोगों ने कहा कि भगवान के वस्त्र हटाने पर उनके छाती पर पैर के निशान दिखे। लोग वाट्सअप पर फोटो ओर वीडियो भी भेजते रहे। इसी तरह एक भक्त ने तो वीडियो भी शेयर किए जिसमें उन्होंने भगवान लड्डू गोपाल के पैर दिखने के दावे किए हैं। सोशल मीडिया की खबर पर इस्पात नगरी के सेक्टर चार निवासी मणि विश्वास और दुर्ग शहर के मुकेश ताम्रकार ने अपने घर की मूर्ति पर पैर के निशान दिखने का दावा किया है। इसके बाद उन्होंने भगवान की तस्वीर और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए। भक्त लोग जहां इसे भगवान का चमत्कार मान रहे हैं और पूजा-पाठ और भजन-कीर्तन करने लगेए वहीं कुछ नास्तिक लोग इसे सिरे से नकार दिए। उनका कहना था कि यह कोई चमत्कार नहीं बल्कि एक तरह का भ्रम ही है। हालांकि दोनों तरह के लोगों के अपने-अपने तर्क और दावे थे।

भृगु ऋषि की पौराणिक कथा

पुराण में इस तरह की कथा भी आती है। एक बार भृगु ऋषि बैकुंठ लोक गए थे। वहां पर उन्होंने भगवान श्रीविष्णु की क्षमाशीलता की परीक्षा लेना चाही। उन्होंने इसी नीयत से भगवान के छाती पर लात मार दी। लात मारते ही भगवान उठ गए और भृगु ऋषि को सीने ले लगा लिया। ऋषि के पांव को सहलाते हुए कहा मुनिवर आपके पांव बड़े ही कोमल है और मेरा सीना व्रज कठोर है कहीं आपके पांव को चोट तो नहीं आई। कुछ लोग इस चमत्कार को बतौर प्रमाण इसी घटना से जोड़ कर देख रहे थे।

चमत्कार नहीं कारीगर का मार्का

दुर्ग शहर स्थित भगवान की मूर्ति माला बेचने वाले दुकान संचालक प्रभु दयाल ने बताया कि मूर्तिकारों की अलग-अलग मार्का होती है। छोटी मूर्तियों में इस तरह के मार्का लगाए जाते हैं जिससे यह पता चलता है कि मूर्ति कहां बनी और किस कारीगर ने बनाई है। चमत्कार वाली दावे को नकारते हुए उन्होंने दुकान में सजी सभी बड़ी मूर्तियों को भी दिखाया जिसमें किसी तरह के पैर के निशान नहीं थे। यदि ऐसा होता तो छोटी मूर्तियों की तरह सभी मूर्तियों पर भी निशान पड़ते।

जवान ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की

कांकेर। एसएसबी के एक जवान ने शुक्रवार को खुद को गोलीमार कर आत्महत्या कर ली। मिली जानकारी के मुताबिक यह घटना कांकेर जिले के बर्रे बेड़ा स्थित एसएसबी कैंप की है। जवान का नाम चंद्रभान था और वह बिहार का रहने वाला था। चंद्रभान के आत्महत्या क्यों की है, इस बारे में अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस सुसाइड नोट खोजने का प्रयास कर रही है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अंतरशालेय चित्रकला प्रतियोगिता 24 को

रायपुर। छग के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी समाज सुधारक एवं जागरूक नेता स्व. पंडित रामदयाल तिवारी की जयंती के अवसर पर नगर निगम के आरडी तिवारी स्कूल में अंतरशालेय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन 24 जुलाई को किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में राजधानी के समस्त विद्यालयों के पूर्व माध्यमिक प्राथमिक एवं उच्चतर कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थी हिस्सा लेंगे।

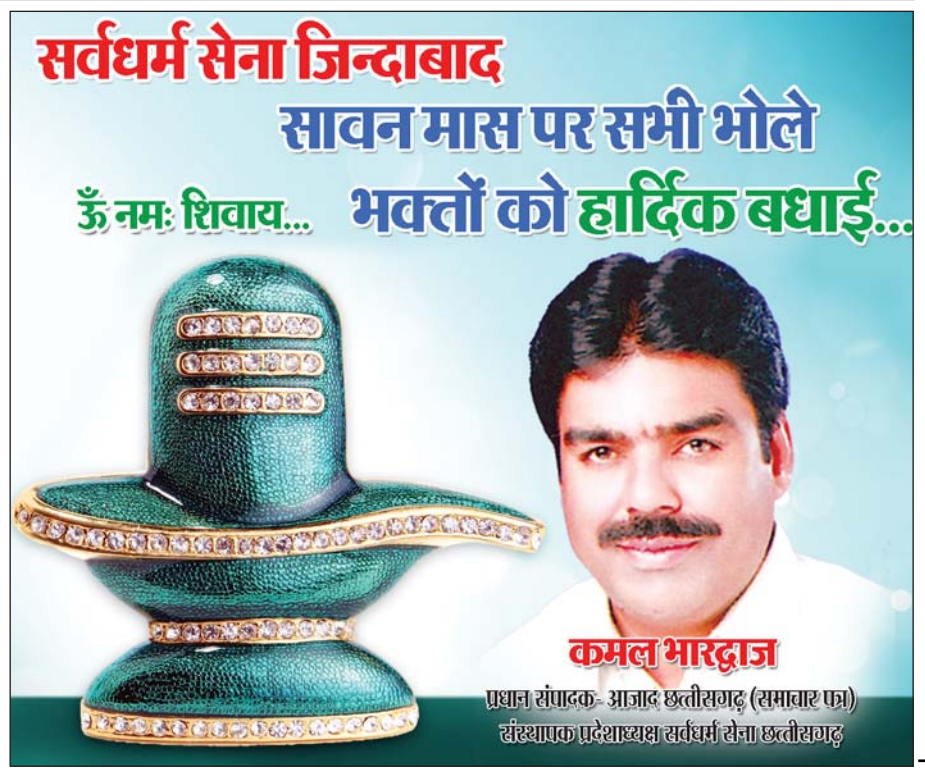

प्रकाशक एवं मुद्रक गणेश प्रसाद मिश्रा द्वारा स्वामी अभिव्यक्ति प्रकाशन प्रा.लि. के लिए मिशन मीडिया प्रा.लि., छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्प्लेक्स, रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं सी-111, शिव मंदिर के सामने गायत्री नगर, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक- विवेक मिश्रा*, आरएनआई रजि. नं.-52143/91, डाक पंजीयन 29/2010-2012, * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।